# महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

**चौकमाफी पीपीगंज गोरखपुर उत्तर प्रदेश २७३१६५**

**Mahayogi Gorakhnath Krishi Vigyan Kendra**

**Chaukmafi (Peppeganj), Jangal Kaudiya Gorakhpur, U.P-273165**

**Website : http://www.mgkvk.in Email: gorakhpurkvk2@gmail.com**


## दूध की धार बरकरार रखने के लिए करें गर्मियों में हरे चारे की व्यवस्था


डॉ विवेक प्रताप सिंह

विषय वस्तु विशेषज्ञ - पशुपालन

**पशुओ में दुग्ध उत्पादन बना रहे तथा पशु पोषण में खर्च कम हो इसके लिए पशुपालक हरे चारे के लिए ज्वार की बुवाई पर ध्यान दे:**

ज्वार चारा फसल के दोमट, बलुई दोमट, तथा हल्की और औसत काली मिट्टी उपयुक्त जल निकास के साथ अच्छी है

**बहु काटन वाली उन्नत किस्मे:** एम.पी. चरी, पूसा चरी - 23, एस. एस. जी.-5937 (मीठी सूडान), एम. एफ. एस. एच.-3, पायनियर-998 अधिक कटाई के लिए ज्वार की सबसे अच्छी प्रजाति है। इसमें प्रोटीन 5-6 होती है तथा ज्वार में पाया जाने विष हाइड्रोसायनिक अम्ल कम होता है ।

**बुवाई का समय:** जून और जुलाई ।

**बीज दर:** छोटे बीज वाली प्रजातियों में बीज 25-30 किलोग्राम तथा दूसरी प्रजातियों में 40-50 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखना चाहिए । लोबिया के साथ 2:1 के अनुपात में बोना चाहिए ।

**उर्वरक प्रबंधन:** उन्नत किस्मो में 80-100 कि.ग्रा. नत्रजन, 40-50 कि.ग्रा. फास्फोरस, 20-25 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है । इसके लिए एन. पी. के. 12:32:16 देशी प्रजातियों के लिए 65 कि.ग्रा. एवं उन्नत प्रजातियों के लिए100-120 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर बुवाई से पहले प्रयोग करें । यूरिया खडी फसल में देशी प्रजातियों में 70 कि.ग्रा. एवं संकर प्रजातियों में 140 कि.ग्रा. दो बार में आवश्यकतानुसार प्रति हेक्टेयर दें ।

**चारा फसल की कटाई:** फसल चारे के लिए 50-60 दिनों में कटाई योग्य हो जाती है ।